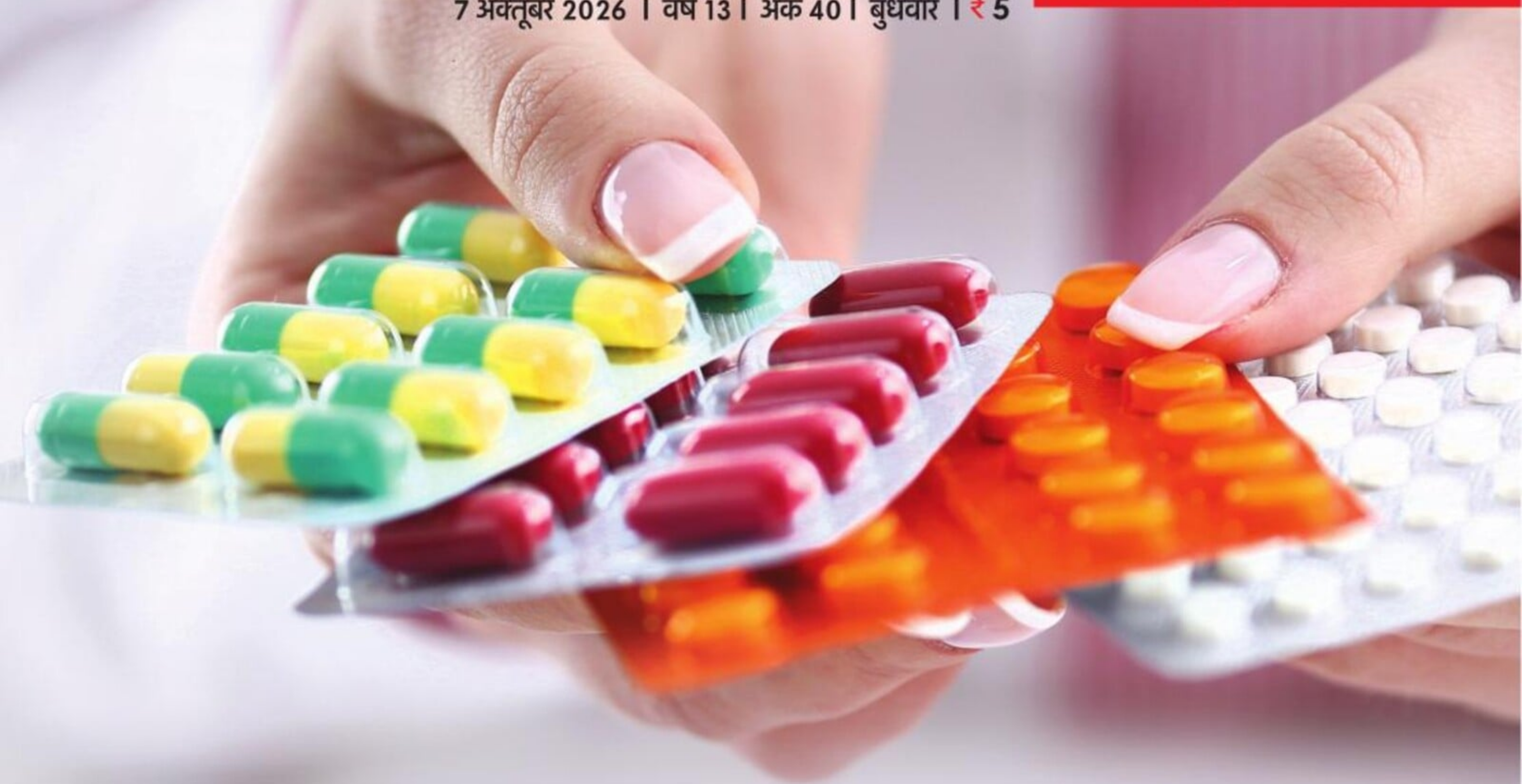


CAREER & EDUCATION

अमर उजाला

अज्ञान

7 अक्टूबर 2026 | वर्ष 13 | अंक 40 | बुधवार | ₹ 5



फार्मेसी कॅरिअर की मजबूत राहें

03

अवसर

एमएलटी के क्षेत्र में
प्रशिक्षित लैब
टेक्नीशियनों की मांग
लगातार बढ़ रही है...



06

राहें यहां भी

युवाओं के लिए एग्रो इंडस्ट्री
से जुड़े कोर्स में इंटरशिप
और कैम्पस प्लेसमेंट की
सुविधा मौजूद है...

कल की चिंता छोड़ें आज को बेहतर बनाएं

3A

ज की तेज रफ्तार जिंदगी में ओवरथिंकिंग यानी जरूरत से ज्यादा सोचना एक आम समस्या बन गई है। कई लोग घंटों तक बीती बातों, भविष्य की चिंताओं या छोटी-छोटी समस्याओं के बारे में सोचते रहते हैं। परिणामस्वरूप मन अशांत हो जाता है, तनाव बढ़ता है और लोग अपने वर्तमान को जी नहीं पाते। हम अपने भविष्य को लेकर इतने चिंतित हो जाते हैं कि वर्तमान का आनंद लेना ही भूल जाते हैं। इससे हम अपने लक्ष्य से दूर हो जाते हैं। धीरे-धीरे भविष्य अंधकारमय और निराशा से भरा हो जाता है। ओवरथिंकिंग को लेकर समय-समय पर कई आध्यात्मिक गुरु समाधान बताते रहे हैं, क्योंकि इससे एक बड़ी आबादी पीड़ित है और उन्हें पता नहीं होता कि इस



अवस्था से बाहर कैसे निकला जाए। अपने समय में गौतम बुद्ध ने भी ओवरथिंकिंग के कुछ समाधान बताए थे, जो आज के समय में बेहद प्रभावी हैं। तो, चलिए जानते हैं कि इस बारे में गौतम बुद्ध ने क्या कहा था...बुद्ध के अनुसार मन का स्वभाव भटकना है। वह कभी अतीत की घटनाओं में उलझ जाता है, तो कभी भविष्य की कल्पनाओं में खो जाता है। जब हम हर स्थिति को बार-बार अपने मन में दोहराते हैं, तब ओवरथिंकिंग शुरू हो जाती है। अक्सर हम उन चीजों के बारे में भी चिंता करते रहते हैं, जो हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं। यही चिंता धीरे-धीरे मानसिक थकान का कारण बन जाती है। बुद्ध का

तरीका ओवरथिंकिंग रोकने का बहुत सरल और गहरा है। बुद्ध कहते हैं कि मन अतीत और भविष्य में भटकता है, जिससे विचारों का बोझ बढ़ता है। इसका समाधान है कि सिर्फ वर्तमान क्षण पर ध्यान दें। भगवान बुद्ध ने सिखाया कि जीवन का वास्तविक अनुभव केवल वर्तमान क्षण में ही संभव है। वे कहते थे कि बीता हुआ समय वापस नहीं आ सकता और भविष्य अभी आया नहीं है, इसलिए मन को बार-बार अतीत और भविष्य में भेजने के बजाय वर्तमान पर केंद्रित करना चाहिए। जब आप भोजन करें, तो केवल भोजन पर ध्यान दें। जब चलें, तो चलने का अनुभव करें। जब किसी से बात करें, तो पूरी तरह उस बातचीत में उपस्थित रहें। जब किसी परीक्षा की तैयारी करें, तो सब कुछ भूल कर केवल परीक्षा में सफलता हासिल करने को अपना लक्ष्य बना लें। इन्हीं प्रयोगों से आप अपनी सफलता की कहानी गढ़ सकते हैं। और जीवन में कामयाबी का स्वाद चख सकते हैं। यही सजगता ओवरथिंकिंग को कम करने का पहला कदम है।



**मनुष्य के लिए कठिनाइयां
बहुत जरूरी हैं, क्योंकि उनके
बिना सफलता का आनंद नहीं
लिया जा सकता।**
-एपीजे अब्दुल कलाम

अ
अमर उजाला

समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक जुगल किशोर गौड़ द्वारा, अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर-59, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसन्स प्रिंटिंग & पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 से मुद्रित।

संपादक. अभिषेक सक्सेना
फोन. 0120-4694000

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. udaan@amarujala.com

एमएलटी

संभावनाओं से भरा क्षेत्र

अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब्स और ब्लड बैंकों में प्रशिक्षित लैब टेक्नीशियनों की मांग लगातार बढ़ रही है। आइए जानते हैं, एमएलटी के प्रमुख कोर्स, योग्यता, काम की प्रकृति और रोजगार के अवसरों के बारे में...



को

विड-19 की वजह से दुनिया भर में लैब टेस्ट की मांग बढ़ी है। इस मांग को पूरा करने के लिए नई-नई हाईटेक लैब्स खुल रही हैं। भारत की हेल्थकेयर इंडस्ट्री भी इससे

अछूती नहीं है। लैब टेस्ट की ऑनलाइन और एप-आधारित बुकिंग शुरू होने से बड़ी संख्या में लोग इन सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए हेल्थकेयर इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनियां लगातार अपना विस्तार कर रही हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा कैरिअर की तलाश में जुटे युवाओं को हो रहा है। यही वजह है कि आजकल लैब से जुड़े पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है। लैब टेक्नीशियन का कोर्स करने वाले युवाओं को देश-विदेश में नौकरियां मिल रही हैं। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है।

■ नेचर ऑफ वर्क

वैसे तो मेडिकल लैब टेक्नीशियन डॉक्टरों के दिशा-निर्देश पर ही काम करते हैं, लेकिन उन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों की पूरी जानकारी होती है। लैब टेक्नीशियन सैंपल्स की जांच करते हैं। जांच के दौरान इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ कुछ सैंपल्स को आगे की जांच के लिए भेजते हैं या जरूरत के

अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रखते हैं। मेडिकल लैब टेक्नीशियन का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की काफी जरूरत होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसी की होती है। सैंपल्स के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट और लैब टेक्नोलॉजिस्ट करते हैं।

■ कोर्स एवं योग्यता

इसके तहत कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। जैसे, सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (सीएमएलटी)। यह छह महीने का कोर्स है, जिसके लिए 10वीं पास होना जरूरी है। वहीं, डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि एक वर्ष है। 12वीं में प्रमुख विषयों के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश पाने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाईस्कूल डिप्लोमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निकल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

■ कहां-कहां हैं अवसर

मेडिकल लेबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है। छात्र इस तरह का प्रशिक्षण लेबोरेटरी में काम करते हुए भी प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रदेशों में मेडिकल लेबोरेटरी तकनीशियनों के लिए किसी प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के लिए काम करने हेतु प्रमाण-पत्र होना जरूरी है। प्रमाण-पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की प्रिंसिपल अरुणा सिंह के मुताबिक, एक एमएलटी किसी भी मेडिकल लेबोरेटरी, अस्पताल या पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकता है। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। वे बतौर रिसर्चर और कंसल्टेंट के अलावा अपना क्लिनिक भी खोल सकते हैं।

■ आमदनी

सामान्य तौर पर एक मेडिकल लेबोरेटरी तकनीशियन का वेतन 10 हजार रुपये से शुरू होता है, जबकि पैथोलॉजिस्ट को 30 हजार से 40 हजार रुपये तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और अनुभव के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। कोविड संकटकाल के बाद से देश के साथ-साथ विदेशों में भी मेडिकल लैब टेक्नीशियन की मांग लगातार बढ़ रही है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरुणा सिंह के मुताबिक, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर डिग्री के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटॉमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण की ट्रेनिंग और शिक्षा दी जाती है।

प्रमुख संस्थान



- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ www.amu.ac.in
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली www.dpmiindia.com
- शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ www.shivalikinstitute.org
- पैरामेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल www.paramedicalcollege.org
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ www.iipsinstitute.co

फार्मेसी

कॅरिअर की मजबूत राहें

फार्मेसी का क्षेत्र जितना व्यापक है, इसमें कॅरिअर की संभावनाएं उतनी ही ज्यादा हैं। दवाओं की जानकारी रखना और उनसे जुड़ी रिसर्च के बारे में जानना, जिन्हें अच्छा लगता है, वे इस क्षेत्र में अपना कॅरिअर संवार सकते हैं...

मे डिकल क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं के लिए फार्मेसी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां वे विभिन्न दवाओं की खोज व उन्हें विकसित करने संबंधी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हैं। फार्मासिस्ट का क्षेत्र जितना व्यापक है, इसमें कॅरिअर की संभावनाएं उतनी ही ज्यादा हैं। दवाओं की जानकारी रखना और उनसे जुड़ी रिसर्च के बारे में जानना जिन्हें अच्छा लगता है, वे इस क्षेत्र में आ सकते हैं।

इस क्षेत्र में अवसर तलाशने के लिए डिप्लोमा इन फार्मेसी (डीफार्मा) और बैचलर इन फार्मेसी (बीफार्मा) जैसे कोर्सेज करना जरूरी है। मुख्य रूप से फार्मासिस्ट का कार्य डॉक्टर द्वारा मरीज के लिए लिखी गई दवा को देना, मरीज को दवा के सुरक्षित और प्रभावी इस्तेमाल के बारे में बताना, बीमारी और जीवनशैली में परिवर्तन से जुड़ी उन सभी शंकाओं का समाधान करना, जिनसे मरीज को बीमारी से उभरने में मदद मिल सके है।

■ अनिवार्य योग्यताएं

अगर आप फिजिक्स, केमिस्ट्री और मेथ्स या बायोलॉजी विषयों के साथ 12वीं उत्तीर्ण कर चुके हैं, तो इसके बाद डीफार्मा पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है। डीफार्मा के आधार पर लेटरल एंट्री योजना के तहत बीफार्मा पाठ्यक्रम के दूसरे साल में सीधे प्रवेश मिलता है। फार्मेसी में डिप्लोमा या स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश 12वीं में प्राप्त अंकों या प्रवेश परीक्षा के माध्यम से मिलता है। इसमें दो वर्षीय डिप्लोमा हासिल करने के बाद आपके पास मेडिकल स्टोर खोलने का विकल्प होता है। अगर आपको सरकारी कॉलेज में एडमिशन नहीं मिल पा रहा है, तो किसी प्राइवेट कॉलेज में डायरेक्ट एडमिशन ले सकते हैं। बीफार्मा के बाद आप चाहें तो एमफार्मा कोर्स भी कर सकते हैं। यह दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएशन कोर्स है। एमफार्मा में फार्माकोग्नॉसी, फार्मास्युटिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिस्ट्री जैसे विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। मास्टर डिग्री कोर्स के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा जीपीएटी होती है। यदि आप रिसर्च के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो पीएचडी का विकल्प भी मौजूद है। फार्मा से जुड़े कुछ अन्य कोर्सेज पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एंड हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग आदि हैं।



■ अवसर

राज्य या केंद्र सरकार के अस्पतालों, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग व सार्वजनिक दवा उत्पादन कंपनियों में समय-समय पर फार्मासिस्ट की नियुक्ति होती रहती है। दवाओं के गुणवत्ता, नियंत्रण और उनकी जांच के लिए नियुक्त होने वाले ड्रग इंस्पेक्टर या सरकारी विश्लेषकों के चयन के लिए भी फार्मसी के जानकारों की भर्ती की जाती है। इसके अलावा केंद्रीय सैन्य बलों में भी फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन निकाले जाते हैं। दवाओं का निर्माण करने एवं वितरण कार्यों से जुड़ी कंपनियां बिक्री व प्रचार-प्रसार के लिए मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) की बड़े पैमाने पर नियुक्तियां करती हैं। फार्मसी में डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त लोगों को इस पेशे में प्राथमिकता दी जाती है। उनका काम दवा कंपनियों के उत्पादों के बारे में डॉक्टरों को बताना और संबंधित उत्पाद की बिक्री को बढ़ाना एवं प्रसार करना होता है।

■ ड्रग मैनुफैक्चरिंग में कैरिअर

इस क्षेत्र में मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट, फार्माकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट और मेडिकल इन्वेस्टिगेटर के तौर पर काम करने के

खुद का मेडिकल स्टोर

डीफार्मा या बीफार्मा करने के बाद आपके पास खुद का मेडिकल स्टोर खोलने का विकल्प मौजूद है। मेडिकल स्टोर शुरू करने के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है। इसे हासिल करने के लिए फार्मसी में डिप्लोमा के साथ स्टेट फार्मसी काउंसिल में पंजीकृत होना जरूरी है। जिस राज्य की काउंसिल में आप खुद को पंजीकृत करवाएंगे, उसी के अधिकार क्षेत्र में आपको मेडिकल स्टोर खोलने का लाइसेंस प्राप्त होगा।



अवसर प्राप्त होते हैं। मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट जीन संरचना और मेडिकल व ड्रग रिसर्च में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है। फार्माकोलॉजिस्ट मानव अंगों व ऊतकों पर

दवाओं के प्रभाव का अध्ययन करता है। टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के निगेटिव इफेक्ट को मापने के लिए टेस्टिंग करता है। मेडिकल इन्वेस्टिगेटर नई दवाओं के विकास एवं टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा क्षेत्र है।

■ क्लिनिकल रिसर्च में कैरिअर

इसके अंतर्गत नई लॉन्च मेडिसिन के बारे में रिसर्च होती है कि वह कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रायल होता है। देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाओं की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मूलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल होता है।

■ क्वालिटी कंट्रोलर

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री के लिए क्वालिटी कंट्रोलर का कार्य बेहद अहम माना जाता है। क्वालिटी कंट्रोलर नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करता है कि इन दवाओं के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं या नहीं।

■ ब्रांडिंग एंड सेल्स प्रमोशन

फार्मसी की डिग्री के बाद छात्र ड्रग्स व मेडिसिन की सेल्स एंड मार्केटिंग में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर कैरिअर बना सकते हैं। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी नजर रखते हैं कि किस प्रोडक्ट के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं, उसके मुताबिक मार्केटिंग की प्लानिंग करते हैं।

■ मेडिकल इन्वेस्टिगेटर

यह कार्य नई दवाओं के परीक्षण व डेवलपमेंट की प्रक्रिया से संबंधित है। हॉस्पिटल फार्मासिस्ट पर मेडिसिन व अन्य मेडिकल रिलेटिड सामग्रियों की स्टॉकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का जिम्मा होता है। रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार करना होता है।

■ अनुसंधान क्षेत्र में अवसर

सरकारी संगठन और निजी कंपनियां नई दवाओं की खोज व पुरानी दवाओं की क्षमता वृद्धि के लिए लगातार अनुसंधान करती रहती हैं। इस कार्य में आमतौर पर एमफार्मा या पीएचडी डिग्री धारकों को शामिल किया जाता है।



प्रमुख संस्थान

- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी

- एलएम कॉलेज ऑफ फार्मसी, अहमदाबाद
- यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, चंडीगढ़

- महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक
- गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

एग्रो स्टार्टअप सुरक्षित भविष्य की दिशा

कृषि व्यवसाय में अलग-अलग स्तर पर मौके हैं। यानी फाइनेंस, तकनीकी व गैर-तकनीकी क्षेत्रों में इच्छुक युवाओं के लिए एग्रो इंडस्ट्री से जुड़े कोर्स में इंटरशिप और कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा होती है...

आ

मतौर पर कृषि को नुकसान के नजरिये से देखा जाता है, मगर अब यह तस्वीर बदल रही है। अगर नई सोच और आधुनिक तकनीक समावेश कर एग्रो

स्टार्टअप के रूप में कृषि क्षेत्र में प्रवेश किया जाए, तो आमदनी के साथ-साथ दूसरों की समस्याएं हल करने वाले भी बन सकते हैं। यदि आपकी कृषि और विभिन्न प्रोडक्ट्स में दिलचस्पी है, एवं ग्रामीण इलाकों में स्थापित प्रोसेसिंग यूनिट्स में काम करने की इच्छा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में एग्रो प्रोडक्ट्स की मांग और पूर्ति पर नजर, तर्कसंगत सोच और नेतृत्व क्षमता हो, तो आपका कैरियर चमक सकता है।

■ तेजी से बढ़ रहा है कृषि स्टार्टअप

आज भारत और दुनिया भर में कृषि स्टार्टअप का क्षेत्र बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। पारंपरिक खेती के तरीकों को आधुनिक तकनीक, डाटा और बिजनेस विजन के साथ जोड़कर ये स्टार्टअप्स कृषि की पूरी तस्वीर बदल रहे हैं। अब खेती केवल फसल उगाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह सप्लाई चेन, फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और डिजिटल मार्केटप्लेस से जुड़ा एक बड़ा बिजनेस बन चुकी है। स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और सेंसर्स का उपयोग कर रहे हैं। इससे किसानों को यह सटीक जानकारी मिलती है कि कब और कितना पानी, खाद या कीटनाशक देना है, जिससे लागत कम और पैदावार अधिक होती है। कई एग्रो-स्टार्टअप्स ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म और एप्स बना चुके हैं, जो सीधे किसानों को खरीदारों, थोक विक्रेताओं या फूड कंपनियों से जोड़ते हैं। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होती है और किसानों को उनकी फसल का सही दाम मिलता है। कटाई के बाद अनाज या सब्जियों को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज चेन और क्वालिटी टेस्टिंग जैसी सेवाएं स्टार्टअप्स द्वारा दी जा रही हैं, जिससे बर्बादी न्यूनतम होती है। सरकार द्वारा 'स्टार्टअप इंडिया' और 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि



विकास योजना' जैसी पहलों के तहत नए उद्यमियों को भारी अनुदान, सीड फंड और

मेंटरशिप मिल रही है, जिससे युवाओं का रुझान इस ओर तेजी से बढ़ा है।

क्या है एग्रो स्टार्टअप

स्टार्टअप एक नई कंपनी होती है। आमतौर पर स्टार्टअप यानी नई कंपनी शुरू करने को कहा जाता है, जिसको कोई यूथ स्वयं या दो तीन लोगों के साथ मिलकर शुरू करता है। एग्रो स्टार्टअप मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र या उससे जुड़े क्षेत्र में काम करते हैं। इसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक की मदद से तकनीकी, गैर-तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र में काम शुरू किया जाता है। एग्रो स्टार्टअप वैसे प्रोडक्ट्स या सर्विस को लांच करती है, जो कि मार्केट में उपलब्ध नहीं होते हैं।

■ ये सुविधाएं देगी सरकार

स्टार्टअप के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन आधारित कंप्लायंस होगा। सरकार पेटेंट एप्लीकेशन फीस में 80 पैसे की छूट देगी। तीन साल तक स्टार्टअप का कोई इंस्पेक्शन नहीं किया जाएगा। लाभ होने पर भी तीन साल तक स्टार्टअप्स को इनकम टैक्स में छूट मिलेगी।

■ जरूरी कौशल

- कृषि और विभिन्न तैयार फूड प्रोडक्ट्स में दिलचस्पी
- ग्रामीण इलाकों में स्थापित प्रोसेसिंग यूनिट्स में काम करने की इच्छा
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में एग्रो प्रोडक्ट्स की मांग और पूर्ति पर नजर
- कॉन्ट्रैक्ट खेती के लिए बड़े किसानों को समझाने की काबिलियत



कैप्टन स्मित को 'विशिष्ट गुजरात गरिमा पुरस्कार'

गुजरात सरकार फ्लाईडुबई के भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार को उनकी असाधारण बहादुरी के लिए 'विशिष्ट गुजरात गरिमा पुरस्कार' से सम्मानित करेगी। इसके साथ ही उन्हें 25 लाख रुपये का नकद इनाम भी दिया जाएगा।



मुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान को-पायलट के हमले में गंभीर रूप से घायल होने और खून

बहने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने जबरदस्त साहस दिखाया। उनकी बहादुरी की वजह से विमान में सवार सभी 174 यात्रियों (जिनमें 27 बच्चे भी शामिल थे) की जान बचाने में मदद मिली। यह घोषणा उस घटना के एक दिन बाद हुई है, जिसमें फ्लाईडुबई की उड़ान FZ1073 (बोइंग 737 मैक्स 8) दुबई से तेल अवीव के लिए उड़ान भर रही थी।

महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में श्री चरणी की बादशाहत

भारत की श्री चरणी ने आईसीसी विमेंस टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अब तक की सबसे ज्यादा रेटिंग का नया रिकॉर्ड बनाया है। एशियन गेम्स



2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ की स्पिनर अपने कैरियर के बेस्ट 817 प्वाइंट्स तक पहुंच गईं। श्री चरणी पहले ही

टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में 'वर्ल्ड नंबर-1' गेंदबाज हैं। अब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के (806 रेटिंग प्वाइंट्स) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिसे मेगन ने नवंबर 2018 में बनाया था। चरणी ने भारत की सफल यात्रा में अहम भूमिका निभाई और एशियन गेम्स में अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए भारत को अपना गोल्ड मेडल बचाने में मदद की।

अनाक क्राकाटोआ के विस्फोट से समुद्र में उभरे दो नए द्वीप



इंडोनेशिया के अनाक क्राकाटोआ ज्वालामुखी में सितंबर 2026 की लगातार 25 घंटे चली गतिविधि के बाद समुद्र में दो नए द्वीप उभर आए। इन संरचनाओं की पहली जानकारी नाविकों और स्वयंसेवकों ने दी, जबकि सेंटिनल उपग्रह चित्रों से इनकी पुष्टि हुई। यह घटना ज्वालामुखीय द्वीपों के निर्माण और उनके बदलते स्वरूप को समझने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनाक क्राकाटोआ का अर्थ "क्राकाटोआ का पुत्र" होता है। यह जावा और सुमात्रा के बीच स्थित सुंडा जलडमरूमध्य में एक ज्वालामुखीय द्वीप है। इसका निर्माण 1883 के क्राकाटोआ विस्फोट के बाद हुआ था, जिसे दर्ज इतिहास की सबसे विनाशकारी ज्वालामुखीय घटनाओं में गिना जाता है। इसी ज्वालामुखी ने समय-समय पर नए भू-आकृतिक बदलाव पैदा किए हैं।

लद्दाख में केसर की खेती



लद्दाख के लेह जिले में को-पायलट प्रोजेक्ट के तहत केसर की खेती शुरू की गई। स्पितुक फर्खा के कमांड एरिया गेट नंबर 27 पर लगभग 4,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में करीब 90,000 प्रीमियम ईरानी केसर कंद लगाए गए। यह पहल बंजर भूमि के पुनरुद्धार और केंद्रशासित प्रदेश में कृषि विविधीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यह परियोजना ऐसे क्षेत्र में शुरू की गई है, जो पहले बंजर था और जिसे प्रोजेक्ट हिम सरोवर के तहत पुनर्स्थापित किया गया। इस स्थल पर सिंचाई के लिए इगू-फेह नहर से पानी उपलब्ध कराया गया है।



उर्मिलेश तिवारी

सहायक महाप्रबंधक
(एमटीएमएस-ईडी), गुरुग्राम

अतुल्य भारत

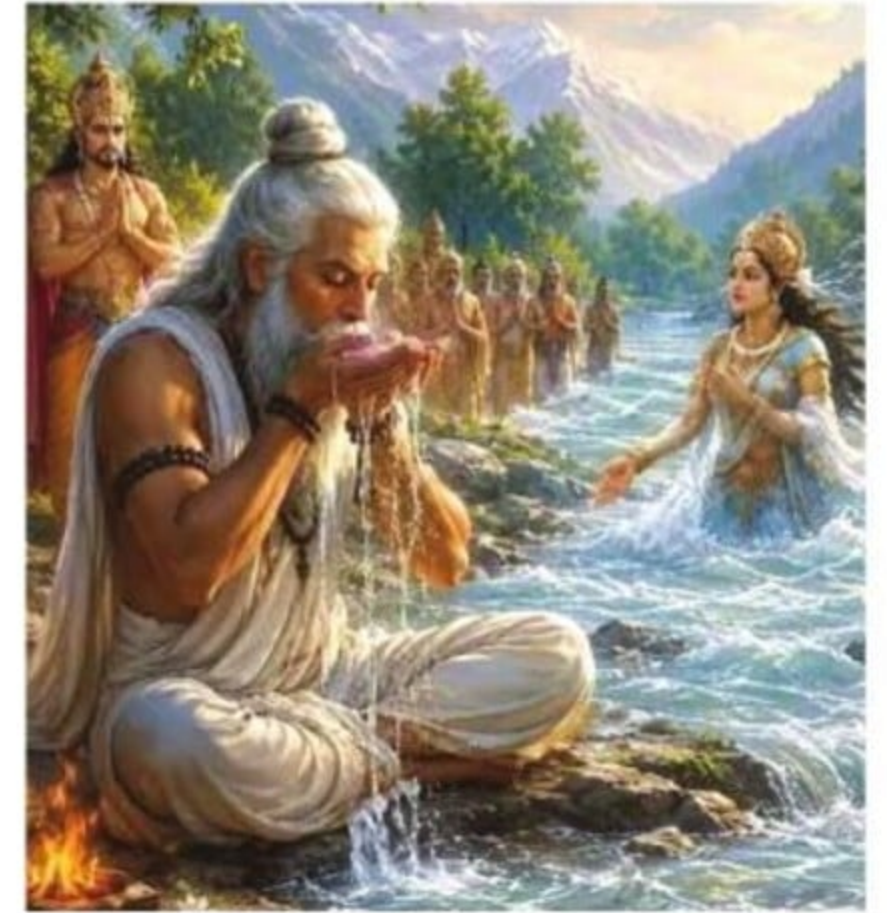
आदिकाल से ज्ञान की गंगा, धरती पर बहती आई है। ऋषियों की वाणी ने जग को, नई दिशा दिखाई है।

हिमालय है प्रहरी जिसका, गंगा-यमुना का निर्मल नीर है। वन, पर्वत और सागर इसके, प्रकृति के अनुपम नजीर हैं।

वेश-भूषा अनेक, पंथ कई, रीति-रिवाजों की शान है। विविधता में एकता हमारी, युगों-युगों से पहचान है।

युद्ध नहीं, बुद्ध की वाणी, भारत की सच्ची पहचान है। शांति और मानवता का, दुनिया को दिया वरदान है।

शून्य, योग और आयुर्वेद का, जिसने जग को ज्ञान दिया। मंगलयान और चंद्रयान से, नव विज्ञान को मान दिया।



विश्व पटल पर आज भी, भारतीय प्रतिभा का मान है। तकनीकी और नवाचार में, भारत की अलग पहचान है।

परंपराओं की सुगंध लिए, नवाचार का पथ अपनाता है। अपनी धरोहर को संग लेकर, भारत आगे बढ़ता जाता है।

शून्य से चंद्रयान की यात्रा, जिसके आदर्श अमूल्य हैं। संस्कृति और नवीनता लिए, अपना भारत अतुल्य है।

बढ़ाएं सामान्य ज्ञान

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए। आइए, ऐसे ही कुछ प्रश्नों पर विचार करते हैं...



1. भारत के राष्ट्रपति की क्षमा प्रदान करने की शक्ति के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. राष्ट्रपति द्वारा इस शक्ति का प्रयोग सीमित न्यायिक पुनर्विलोकन के अधीन लाया जा सकता है।

II. राष्ट्रपति इस शक्ति का प्रयोग केंद्र सरकार की सलाह के बगैर कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

- (a) केवल I
- (b) केवल II
- (c) I और II दोनों
- (d) न तो I और न ही II

जवाब : (a) केवल I

व्याख्या : भारत के राष्ट्रपति देश के सांविधानिक प्रमुख होते हैं। भारतीय संविधान, 1950 राष्ट्रपति को विधायी, कार्यकारी और न्यायिक शक्तियों से सशक्त करता है। अनुच्छेद 72 राष्ट्रपति की न्यायिक शक्ति से संबंधित है, जिसे राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति भी कहा जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के अंतर्गत राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति पूर्णतः निरंकुश नहीं है, बल्कि यह विशिष्ट मामलों में न्यायिक पुनरावलोकन के अधीन हो सकती है। ईपुरु सुधाकर बनाम आंध्र प्रदेश मामले के अनुसार, यदि राष्ट्रपति यह शक्ति मनमाने ढंग से प्रयोग करें, तो यह न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत आ सकती है। अतः कथन I सही है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 74 के अनुसार, राष्ट्रपति सरकार से स्वतंत्र रूप से क्षमादान की शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकते। इस अनुच्छेद के अनुसार, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद् होगी, जो राष्ट्रपति की सहायता और सलाह के लिए कार्य करेगी, राष्ट्रपति को अपने कार्यों के निष्पादन में इस सलाह के अनुसार ही कार्य करना होगा। अतः कथन II सही नहीं है। अतः विकल्प (a) सही है।

2. इनमें से किसने शक्तिशाली समुद्रवर्ती राज्य श्रीविजय के विरुद्ध, जिसका शासन मलय प्रायद्वीप, सुमात्रा, जावा और निकटवर्ती द्वीपों पर था, एक सफल सैन्य अभियान का नेतृत्व किया था?

- (a) अमोघवर्ष (राष्ट्रकूट)
- (b) प्रतापरुद्र (काकतीय)
- (c) राजेंद्र प्रथम (चोल)
- (d) विष्णुवर्धन (होयसल)

जवाब : (c) राजेंद्र प्रथम (चोल)

व्याख्या : राजराजा चोल प्रथम के पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम ने 1025 ई. में श्रीविजय साम्राज्य के विरुद्ध एक सफल और ऐतिहासिक नौसैनिक अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान भारतीय इतिहास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विदेशी सैन्य अभियानों में से एक था। चोल नौसेना ने मलय प्रायद्वीप, सुमात्रा और आसपास के क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण श्रीविजय बंदरगाहों और शहरों पर आक्रमण किया तथा उन पर अधिकार कर लिया। भारतीय महासागर व्यापार में इसका बहुत बड़ा रणनीतिक महत्व था। सैन्य संघर्ष जारी रहे और चोलों ने कोलुत्तुंगा (1070 ई.-1122 ई.) के शासन काल तक अपना प्रभुत्व बनाए रखा। अतः विकल्प (c) सही है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- I. पूंजीगत प्राप्ति देयता का सृजन करती हैं या सरकार की परिसंपत्तियों में कमी लाती हैं।
- II. उधार-ग्रहण और विनिवेश पूंजीगत प्राप्ति हैं।
- III. ऋणों पर प्राप्त ब्याज सरकार की देयता का सृजन करता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-कौन से सही हैं?

- (a) केवल I और II
- (b) केवल II और III
- (c) केवल I और III
- (d) I, II और III

जवाब : (a) केवल I और II

व्याख्या : पूंजीगत प्राप्ति ऐसी प्राप्ति होती है, जिनसे या तो सरकार की देयता बढ़ती है (जैसे- ऋण लेना) या फिर सरकार की संपत्ति में कमी आती है (जैसे- विनिवेश)। उदाहरण: ऋण लेने से सरकार की देयताओं में वृद्धि होती है, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों में से शेयरों की बिक्री से संपत्ति में कमी आती है। अतः कथन 1 सही है। उधार (जैसे- ऋण, बॉन्ड) से देयता का सृजन होता है, जिससे इन्हें पूंजीगत प्राप्ति की श्रेणी में रखा जाता है। विनिवेश (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में शेयरों की बिक्री) से परिसंपत्तियों में

कमी आती है तथा इसे भी पूंजीगत प्राप्ति की श्रेणी में रखा जाता है। अतः कथन 2 सही है। सरकार द्वारा दिए गए ऋण पर प्राप्त ब्याज, राजस्व प्राप्ति है, पूंजीगत प्राप्ति नहीं। इससे किसी देयता का सृजन नहीं होता है, बल्कि यह सरकार के लिए आय है। उदाहरण: राज्यों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दिए गए ऋणों पर प्राप्त ब्याज आवर्ती आय है और इसे गैर-कर राजस्व के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। अतः कथन 3 सही नहीं है। अतः विकल्प (a) सही है।

4. निम्नलिखित जलाशयों पर विचार कीजिए :

- I. तांगान्यीका झील
 - II. टोनले सैप झील
 - III. पाटोस लैगून
- भूमध्य रेखा इनमें कितनों में से होकर गुजरती है?
- (a) केवल एक
 - (b) केवल दो
 - (c) सभी तीन
 - (d) कोई भी नहीं

जवाब : (d) कोई भी नहीं

व्याख्या : तांगान्यीका झील अफ्रीका में स्थित है। इसका उत्तरी भाग भूमध्य रेखा के बहुत नजदीक है, लेकिन यह रेखा झील को पार नहीं करती। टोनले सैप झील कंबोडिया में स्थित है और भूमध्य रेखा से काफी उत्तर में है। तेरह देश-इक्वाडोर, कोलंबिया, ब्राजील, साओ टोमे और प्रिंसिपे, गैबॉन, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉंगो, युगांडा, केन्या, सोमालिया, मालदीव, इंडोनेशिया और किरिबाती ऐसे हैं, जिनसे भूमध्य रेखा गुजरती है। चूंकि भूमध्य रेखा कंबोडिया से नहीं गुजरती, अतः टोनले सैप झील से भी नहीं गुजरती। पाटोस लैगून झील दक्षिण ब्राजील में स्थित है और भूमध्य रेखा से काफी दक्षिण, यहां तक कि मकर रेखा से भी नीचे है। इस प्रकार इनमें से किसी भी झील से भूमध्य रेखा नहीं गुजरती, हालांकि तांगान्यीका झील इसके बहुत निकट स्थित है। अतः विकल्प (d) सही है।

5. वायु प्रदूषण कम करने हेतु कृत्रिम वर्षा कराने के तरीके में किनका प्रयोग होता है?

- (a) सिल्वर आयोडाइड और पोटैशियम

आयोडाइड

(b) सिल्वर नाइट्रेट और पोटैशियम आयोडाइड

(c) सिल्वर आयोडाइड और पोटैशियम नाइट्रेट

(d) सिल्वर नाइट्रेट और पोटैशियम क्लोराइड

जवाब : (a) सिल्वर आयोडाइड और पोटैशियम आयोडाइड

व्याख्या : कृत्रिम वर्षा का आशय उस प्रक्रिया से है, जिसमें क्लाउड सीडिंग के माध्यम से वर्षा कराई जाती है। यह एक प्रकार की मौसम संशोधन तकनीक है। क्लाउड सीडिंग के माध्यम से बादलों में विशेष रसायन जैसे सिल्वर आयोडाइड, पोटैशियम आयोडाइड और ड्राई आइस को विमानों या हेलिकॉप्टरों से उत्सर्जित किया जाता है। ये रसायन कंडेन्सेशन नाभिक का कार्य करते हैं, जिनके चारों ओर जलवाष्प संघनित होकर बड़ी-बड़ी बूंदों का रूप ले लेती है, जिससे अंततः वर्षा होती है। हालांकि, इस प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वातावरण में पर्याप्त नमी और अनुकूल मौसमीय परिस्थितियाँ मौजूद हों। अतः विकल्प (a) सही है।

6. चीनी तीर्थयात्री फाह्यान ने इनमें से किसके शासनकाल में भारत की यात्रा की थी?

- (a) समुद्रगुप्त
- (b) चंद्रगुप्त द्वितीय
- (c) कुमारगुप्त प्रथम
- (d) स्कंदगुप्त

जवाब : (b) चंद्रगुप्त द्वितीय

व्याख्या : चंद्रगुप्त द्वितीय (375-414 ई.) जिन्हें चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है, को कला और साहित्य के संरक्षण के लिए याद किया जाता है। उनके दरबार में नौ रत्न (नवरत्न) शामिल थे। महान संस्कृत कवि और नाटककार कालिदास उनमें सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। चीनी बौद्ध यात्री फाह्यान (404-411 ईस्वी) ने चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में भारत की यात्रा की थी। उन्होंने पांचवीं शताब्दी ईस्वी में भारत के लोगों के जीवन का विवरण प्रस्तुत किया है। अतः विकल्प (b) सही है।

7. किस संस्था ने जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की हानि के नियंत्रण हेतु प्रकृति पुनःस्थापन विधि नेचर रेस्टोरेशन लॉ अधिनियमित की ?

- (a) यूरोपीय संघ
- (b) विश्व बैंक
- (c) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन
- (d) खाद्य और कृषि संगठन

जवाब : (a) यूरोपीय संघ

व्याख्या : प्रकृति पुनःस्थापन विधि नेचर रेस्टोरेशन लॉ यूरोपीय संघ द्वारा अधिनियमित किया गया था।

यह विधि यूरोपीय संघ की जैव-विविधता रणनीति का एक प्रमुख तत्व है और इसका उद्देश्य यूरोप के पारिस्थितिकी तंत्र को पुनःस्थापित करना है। यूरोपीय संघ की पर्यावरण परिषद ने 17 जून, 2024 को कानून को अंगीकृत किया। प्रकृति पुनर्स्थापन विनियमन अपनी तरह का पहला महाद्वीप-व्यापी, व्यापक कानून है। यह यूरोपीय संघ की 'जैव विविधता रणनीति' का एक प्रमुख घटक है, जो क्षतिग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्रों को पुनर्स्थापित करने के लिये बाध्यकारी लक्ष्य निर्धारित करता है-विशेष रूप से उन तंत्रों के लिए जिनमें कार्बन को अवशोषित करने और संग्रहीत करने की सर्वाधिक क्षमता है तथा जो प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को रोकने एवं कम करने में सहायक हो सकते हैं।

8. भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

- I. अंतर-राज्य परिषद्
- II. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद्
- III. क्षेत्रीय परिषदें

उपर्युक्त में से कितनी भारत के संविधान के उपबंधों के अनुसार स्थापित हुई?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

जवाब : (a) केवल एक

व्याख्या : अनुच्छेद 263 राष्ट्रपति को अंतर-राज्य परिषद स्थापित करने का अधिकार प्रदान करता है, यदि उसे लगता है कि यह सार्वजनिक हित में है और वह केंद्र-राज्य तथा अंतर-राज्यीय समन्वय को बढ़ावा देने के लिये इसके कर्तव्यों, संगठनात्मक संरचना एवं प्रक्रियाओं को निर्दिष्ट कर सकता है। इस प्रकार, सरकारिया आयोग की सिफारिशों के अनुसरण में, वी.पी. सिंह के नेतृत्व वाली जनता दल सरकार ने वर्ष 1990 में अंतर-राज्य परिषद की स्थापना की। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद संवैधानिक निकाय नहीं है। इसकी स्थापना वर्ष 1999 में भारत सरकार द्वारा एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीतिक हितों पर प्रधानमंत्री को सलाह देने हेतु की गई थी। क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना संविधान के किसी प्रावधान के तहत नहीं बल्कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के तहत की गई थी। ये संवैधानिक निकाय नहीं, बल्कि वैधानिक निकाय हैं। इस अधिनियम ने देश को पाँच क्षेत्रों में विभाजित किया तथा प्रत्येक क्षेत्र के लिये एक क्षेत्रीय परिषद की व्यवस्था की। एक और क्षेत्रीय परिषद अर्थात् उत्तर-पूर्वी परिषद का गठन संसद के एक अलग अधिनियम -पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम 1971 द्वारा किया गया। अतः विकल्प (a) सही है।

जागरूकता

टूकॉलर का नया स्कैम चेकर

टूकॉलर ने स्कैम का पता लगाने वाली तकनीक और लोगों की समझदारी को साथ जोड़कर स्कैम चेकर की शुरुआत की है। इस नए वेब और एंड्रॉइड डेस्टिनेशन की मदद से कोई भी व्यक्ति बस कुछ ही सेकंड में किसी फर्जी लिंक, नंबर या मैसेज की जांच कर सकता है। यह 500 मिलियन यूजर्स की स्कैम से जुड़ी जानकारी की वजह से मुमकिन हुआ है। इस नए डेस्टिनेशन को बनाने का मकसद लोगों की मदद करना है,



ताकि वे तुरंत पता लगा सकें कि कहीं वे किसी स्कैम के जाल में तो नहीं फंस रहे हैं। साथ ही, वे धोखाधड़ी के नए-नए तरीकों के बारे में जान सकें। इसके पीछे सोच यह है कि टूकॉलर की सुविधा सिर्फ कॉलर की पहचान या स्पैम को ब्लॉक करने तक सीमित न रहे, बल्कि इसके दायरे का विस्तार हो। टूकॉलर स्कैम चेकर की मदद से यूजर्स निम्न सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं: किसी लिंक की जांच करके पता लगा सकते हैं कि कहीं वह धोखाधड़ी के इरादे से तो नहीं भेजा गया है या उसका इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी के लिए तो नहीं किया जा रहा है। यूजर्स किसी फोन नंबर के बारे में टूकॉलर के डिटेक्शन सिस्टम और कम्युनिटी सिग्नल से मिली जानकारी देख सकते हैं। टूकॉलर के सीईओ ऋषित झुनझुनवाला के अनुसार, अक्सर लोगों को लगता है कि कुछ गड़बड़ है, लेकिन कोई भी कदम उठाने से पहले उन्हें इसकी तुरंत जांच करने के लिए एक आसान तरीके की तलाश होती है। स्कैम चेकर में हमने स्कैम का पता लगाने की काबिलियत और हमारी कम्युनिटी की रिपोर्ट को एक साथ जोड़ा है, ताकि लोग एक ही जगह पर किसी भी फर्जी लिंक, नंबर या कहानी की जांच कर सकें।

दुनिया के समुद्री व्यापार का 'आंसुओं का द्वार'

बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य समुद्री मोर्चे पर तनाव बढ़ा रहा है। यदि इस संकरे गलियारे में जंग छिड़ी, तो उसका असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्था को झेलना पड़ेगा...

बा

ब अल-मंदेब जलडमरूमध्य इन दिनों यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सरकारी बलों के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण चर्चा में है। हाल ही में,

सऊदी समर्थित यमनी सरकारी बलों ने दावा किया कि उन्होंने बाब अल-मंदेब के आसपास के महत्वपूर्ण इलाकों पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। यह क्षेत्र पिछले महीने हूतियों के कब्जे में चला गया था। संयुक्त राष्ट्र भी इस क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता पर चिंता जता चुका है। इस जलडमरूमध्य की अहमियत इसलिए है, क्योंकि यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। इसके जरिये जहाज हिंद महासागर से लाल सागर, फिर स्वेज नहर और भूमध्य सागर तक पहुंचते हैं। यानी एशिया और यूरोप के बीच समुद्री व्यापार का यह एक बेहद महत्वपूर्ण दरवाजा है।

■ कहां स्थित है बाब अल-मंदेब

बाब अल-मंदेब एक प्राकृतिक जलडमरूमध्य है, जो उत्तर-पश्चिम में लाल सागर को दक्षिण-पूर्व में अदन की खाड़ी तथा हिंद महासागर से जोड़ता है। इसके साथ ही यह एशिया (अरब प्रायद्वीप) और अफ्रीका (हॉर्न ऑफ अफ्रीका) महाद्वीपों को अलग करता है। इसके पूर्वी तट पर यमन (एशियाई तट) स्थित है, जबकि इसके पश्चिमी तट पर जिबूती और इरीट्रिया स्थित हैं। इस जलडमरूमध्य की कुल लंबाई लगभग 100 से 110 किमी है। अपने सबसे संकरे बिंदु पर इसकी चौड़ाई मात्र 26 से 29 किलोमीटर (लगभग 16 से 18 मील) रह जाती है। यमन के अधिकार क्षेत्र में आने वाला पेरिम द्वीप या मयूम इस जलडमरूमध्य को दो चैनलों में विभाजित करता है। पहला है, बाब इस्कंदर (छोटा/पूर्वी चैनल), जिसकी चौड़ाई लगभग 3 किमी और गहराई मात्र 30 मीटर है। उथला होने के कारण बड़े व्यापारिक जहाज इससे नहीं गुजरते। दूसरा है, दक्कत अल-माय्युन (बड़ा/पश्चिमी चैनल), जिसकी चौड़ाई लगभग 25 किमी और गहराई 300 मीटर से अधिक है।



बाब अल-मंदेब से होता है। इसलिए इसे स्वेज नहर की दक्षिणी समुद्री चौकी भी माना जाता है। इसके ठीक उत्तर में समुद्र के भीतर एक उथला प्राकृतिक अवरोध है, जिसे हनीश सिल कहा जाता है, जिसकी गहराई केवल 137 मीटर है। यह प्राकृतिक अंडरवाटर बैरियर हिंद महासागर के ठंडे गहरे पानी को लाल सागर के गहरे बेसिन में जाने से रोकता है।

नेपोलियन से नाता

वर्ष 1799 में, जब नेपोलियन बोनापार्ट ने मिस्र पर आक्रमण किया था, तो अंग्रेजों को डर था कि फ्रांसीसी लाल सागर के रास्ते भारत पर हमला कर सकते हैं। इस खतरे को टालने के लिए ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने फौरन बाब अल-मंदेब के पेरिम द्वीप पर कब्जा कर लिया था, ताकि भारत जाने वाले समुद्री मार्ग की रक्षा की जा सके। 2008 में यमन और जिबूती को बाब अल-मंदेब के ऊपर से जोड़ने वाले एक विशाल समुद्री पुल की योजना पेश की गई थी। यदि यह बनता, तो यह एशिया और अफ्रीका को सीधे जोड़ने वाला दुनिया का सबसे लंबा सस्पेंशन पुल होता (लगभग 28.5 किमी लंबा), हालांकि क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण यह योजना कागजों पर ही रह गई। यूरोशिया और अफ्रीका के बीच प्रवास करने वाले लाखों शिकारी पक्षियों (चील, बाज, गिद्ध) के लिए बाब अल-मंदेब दुनिया के सबसे व्यस्त गलियारों में से एक है।

■ नाम का अर्थ है 'आंसुओं का द्वार'

अरबी भाषा में 'बाब' का अर्थ 'द्वार' और 'मंदेब' का अर्थ 'शोक/विलाप' या 'आंसू' होता है। प्राचीन काल में यहां की तेज समुद्री लहरों, छिपी हुई चट्टानों और अप्रत्याशित हवाओं के कारण अनगिनत जहाज डूब जाते थे और बड़ी संख्या में नाविकों की जान चली जाती थी। इसी खतरे और त्रासदी के चलते नाविकों ने इसे 'आंसुओं का द्वार' या 'दुख का द्वार' नाम दिया। अगर कोई जहाज एशिया से स्वेज नहर के रास्ते यूरोप जाना चाहता है, तो उसे अदन की खाड़ी से लाल सागर में प्रवेश करना होगा। यही प्रवेश

■ मानव इतिहास का पहला 'प्रवास मार्ग'

मानवविज्ञान और जीवाश्म विज्ञान के अनुसार, लगभग 60,000 से 70,000 वर्ष पहले हिमयुग के दौरान जब समुद्र का जलस्तर काफी नीचे था, तब आधुनिक मानव ने अफ्रीका से एशिया में प्रवेश करने के लिए इसी संकीर्ण समुद्री मार्ग को पार किया था। इसे मानव सभ्यता के वैश्विक प्रसार की शुरुआती कड़ी माना जाता है। बाब अल-मंदेब प्राचीन काल से महत्वपूर्ण था, लेकिन 1869 में स्वेज नहर खुलने के बाद इसका वैश्विक महत्व बहुत बढ़ गया।

■ डिजिटल दुनिया का 'चोकपॉइंट'

बाब अल-मंदेब को अंतरराष्ट्रीय समुद्री शब्दावली में मैरीटाइम चोकपॉइंट कहा जाता है। दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का लगभग 10 से 12 फीसदी और वैश्विक कंटेनर व्यापार का करीब 30 प्रतिशत इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। इस बिंदु पर नियंत्रण रखने वाले देश या समूह पूरे लाल सागर के व्यापार को अवरुद्ध करने की क्षमता रखते हैं। जिस तरह यह कच्चा तेल ढोने वाले जहाजों का चोकपॉइंट है, उसी तरह यह डिजिटल दुनिया का भी चोकपॉइंट है। यूरोप और एशिया के बीच इंटरनेट डाटा ले जाने वाली दर्जनों प्रमुख सबमरीन फाइबर-ऑप्टिक केबल बाब अल-मंदेब के इसी संकरे समुद्री तल से गुजरती हैं।

-रोली पांडेय

बैंकॉक में गुंजी भारतीय ज्ञान परंपरा

था

ईलैंड के बैंकॉक स्थित सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय में 5वां वैश्विक संस्कृत सम्मेलन आयोजित किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित इस सम्मेलन का संयुक्त आयोजन ग्लोबल संस्कृत फोरम, भारत; सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्ययन केंद्र, पुरातत्व संकाय; तथा थाई-भारत सांस्कृतिक लॉज, बैंकॉक द्वारा किया गया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थाईलैंड में भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल तथा समारोह के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. डॉ. चिरापत प्रपाण्डविद्या थे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. बालमुकुंद पांडेय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन प्रो. बलराम पाणी सम्मिलित



ज्योत्स्ना बंसल

रहे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्योत्स्ना बंसल की पुस्तक 'तर्कन्यूमरो : नंबर्स थ्रू द लॉजिक ऑफ इंडियन फिलॉसफी' का लोकार्पण विशेष आकर्षण रहा। 'तर्कन्यूमरो' के माध्यम से उन्होंने अन्नभट्ट के तर्कसंग्रह पर आधारित भारतीय दर्शन के सिद्धांतों और अंकज्योतिष के बीच एक मौलिक वैचारिक संबंध प्रस्तुत किया। इस प्रकार भारतीय दर्शन और अंकज्योतिष को शोधपरक रूप से जोड़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रस्तुत करने वाली वे पहली भारतीय महिला अंकशास्त्री हैं। समापन समारोह में पद्मश्री प्रो. डॉ. चिरापत प्रपाण्डविद्या की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि प्रो. सुषमा यादव, सारस्वत अतिथि प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल एवं डॉ. आई. मेड धर्मसा

(इंडोनेशिया) की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'तर्कन्यूमरो' का लोकार्पण भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय दर्शन और अंकज्योतिष को वैश्विक पाठक वर्ग तक पहुंचाने तथा इनके बीच एक नए संवाद की दिशा में एक महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय पहल है।

खबरों में

स्वर्ण की चमक

एस्पेक्ट स्पोर्ट्स के ब्रांड एंबेसडर और भारतीय कुश्ती स्टार अमन सहरावत ने जापान के नागोया में आयोजित एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग में भारत के लिए पहली बार स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय खेल जगत को गौरवान्वित किया है। एस्पेक्ट स्पोर्ट्स के सीईओ सिद्धांत नारायण ने कहा, 'अमन की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता हासिल करने की निरंतर कोशिश से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।'



नई रेंज

हैप्पी कोन्स ने आइसक्रीम प्रेमियों के लिए अपने नए और लेटेस्ट फ्लेवर्स की रेंज लॉन्च की है। हैप्पी कोन्स के मैनेजिंग डायरेक्टर सचिन तोमर ने कहा, 'हमारा उद्देश्य विभिन्न प्रकार के आइसक्रीम फ्लेवर्स और पार्लर जैसी गुणवत्ता वाली आइसक्रीम को किफायती दामों पर हर उपभोक्ता तक पहुंचाना है।'

खबरों में

मिंटेज वर्ल्ड का विशेष संग्रह

प्रधानमंत्री मोदी के शासकीय कार्यकाल (बतौर मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री) के 25 साल पूरे होने के अवसर पर, पुराने सिक्के, डाक टिकट और बैंकनोटों को समर्पित दुनिया के पहले ऑनलाइन म्यूजियम 'मिंटेज वर्ल्ड' ने अपनी खास कॉफी टेबल बुक का दूसरा भाग लॉन्च किया। इस अनूठी पुस्तक की कल्पना मिंटेज वर्ल्ड के सीईओ और पहली पीढ़ी के उद्यमी सुशील कुमार अग्रवाल ने की है। मिंटेज वर्ल्ड के पब्लिशर और सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, 'इस पुस्तक के पीछे विचार यह था कि डाक टिकटों, पुराने सिक्के और बैंक नोटों के जरिये भारत के समकालीन इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर का विजुअल रिकॉर्ड सहेजा जाए।'

ताकि हृदय रहे स्वस्थ

मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर, धूम्रपान, मोटापा, परिवार में हृदय रोग का इतिहास, शारीरिक गतिविधि की कमी और अस्वास्थ्यकर खानपान हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। डॉ. सुकृति भल्ला, एसोसिएट डायरेक्टर एवं हेड ऑफ यूनिट-II, कार्डियोलॉजी विभाग, आकाश हेल्थकेयर सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, द्वारका, दिल्ली, ने कहा, 'ड्रग कोटेड बैलून का उपयोग कुछ चुनिंदा मामलों में किया जाता है, जिसमें इन-स्टेंट रेस्टेनोसिस भी शामिल है। इसमें पहले लगाए गए स्टेंट के अंदर धमनी दोबारा संकरी हो जाती है। विस्तृत जांच के बाद अन्य उपयुक्त कोरोनरी रुकावटों में भी ड्रग कोटेड बैलून पर विचार किया जा सकता है।'

नया रिकॉर्ड

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने एच1एफवाई 27 (अप्रैल-सितंबर 2026) के दौरान कुल 34.40 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो एच1एफवाई 26 (अप्रैल-सितंबर 2025) के दौरान बेची गई 29.93 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 15% की बढ़ोतरी है। एच1एफवाई 27 (अप्रैल-सितंबर 2026) के दौरान घरेलू बिक्री 30.44 लाख यूनिट रही, जो साल-दर-साल 13% की बढ़ोतरी है, जबकि एच1एफवाई 26 (अप्रैल-सितंबर 2025) के दौरान 26.82 लाख यूनिट बिकी थीं।

जेके टायर रैली ऑफ हिमालयाज 2026

जेएंडके बैंक द्वारा प्रस्तुत जेके टायर रैली ऑफ हिमालयाज 2026 का रोमांचक समापन 30 सितंबर को पदुम, जांस्कर में हुआ। चार दिनों तक चली इस चुनौतीपूर्ण रैली में 50 कारों और 80 राइडर्स ने हिस्सा लिया। प्रतियोगियों ने लाहौल-स्पीति और जांस्कर के ऊंचाई वाले और दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में अपनी रफ्तार, तकनीकी कौशल, सटीकता और सहनशक्ति का प्रदर्शन किया। दक्ष गिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दो चरणों में जीत दर्ज की। मोटो वर्ग में धृतिमान सिंह विजेता रहे। एक्सट्रीम वर्ग में राजीव यादव और रोहित गौड़ा, जबकि एडवेंचर वर्ग में सोहम हजरा और नीरव मेहता ने खिताब अपने नाम किया।

भारत-कतर

आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार

भारत और कतर के बीच यह बातचीत दिखाती है कि दोनों देश ऊर्जा सहयोग से आगे बढ़कर निवेश, व्यापार, भुगतान और समुद्री संपर्क को एक व्यापक आर्थिक साझेदारी में बदलना चाहते हैं...



भा

रत और कतर ने निवेश, व्यापार और डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में सहयोग को तेज करने पर सहमति जताई है। दोहा में एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक की वार्षिक बैठक के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय निवेश संधि और मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाने का फैसला किया। चर्चा में समुद्री संपर्क, भुगतान प्रणाली और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी जैसे मुद्दे भी शामिल रहे।

■ निवेश समझौते पर नई पहल

द्विपक्षीय निवेश संधि यानी बीआईटी का उद्देश्य दो देशों के बीच होने वाले निवेश को सुरक्षा और स्पष्ट नियम देना होता है। भारत इस समय अपने मॉडल बीआईटी ढांचे की समीक्षा कर रहा है और संशोधित मसौदा 2026 में केंद्रीय मंत्रिमंडल के विचाराधीन है। इसी पृष्ठभूमि में भारत और कतर ने नए निवेश ढांचे पर चर्चा की, खासकर तब जब कतर ने भारत में 10 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। चर्चा में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के भारत में कार्यालय खोलने की संभावना भी सामने आई। इससे संकेत मिलता है कि दोनों देश केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि निवेश प्रवाह को संस्थागत रूप

देने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

■ एफटीए से व्यापार विस्तार की उम्मीद मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए व्यापार बाधाओं को कम या समाप्त करने के लिए किया जाता है। भारत और कतर इस समझौते पर बातचीत को तेज कर रहे हैं और इसे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की संभावना से जोड़ा जा रहा है। 29 सितंबर, 2026 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 14.15 अरब अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि एफटीए प्रक्रिया को व्यापक आर्थिक जुड़ाव के साथ गति दी जा रही है। यह कदम ऊर्जा, रसायन, खाद्य उत्पाद, सेवाओं और निवेश जैसे क्षेत्रों में नए अवसर खोल सकता है।

■ भुगतान और समुद्री संपर्क पर भी चर्चा बैठक में भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई को कतर में विस्तार देने पर भी बात हुई। यूपीआई भारत की रीयल-टाइम डिजिटल भुगतान प्रणाली है, जिसे नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया संचालित करता है। विदेशों में इसके विस्तार से प्रवासी भारतीयों और सीमा-पार भुगतान को सुविधा मिल सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सामान्य व्यापार प्रवाह और होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये निर्बाध समुद्री आवाजाही की जरूरत पर जोर दिया। यह जलमार्ग खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा और व्यापार आपूर्ति के लिए बेहद अहम माना जाता है।

WEEKLY DIARY

01 OCT



तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई में अपनी विस्तारित मुफ्त बस यात्रा योजना 'वेत्री पायनम थित्तम' शुरू की। यह योजना पहले 'विदियाल पयणम थित्तम' के नाम से जानी जाती थी। इसके तहत राज्य परिवहन की चुनिंदा बस सेवाओं में महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को बिना किराया दिए यात्रा की सुविधा मिलेगी।

02 OCT



दिल्ली सरकार ने शास्त्री पार्क में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया। यह केंद्र राजधानी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की निगरानी, त्वरित कार्रवाई और फील्ड स्तर पर समन्वय को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तैयार किया गया है।

03 OCT



फिलीपींस के सुबिक बे में आसियान-भारत समुद्री अभ्यास का दूसरा संस्करण शुरू हुआ। इस अभ्यास में आसियान के सदस्य देशों की समुद्री सेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसे भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच समुद्री सहयोग और आपसी समझ को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नियुक्ति

■ केंद्र सरकार ने सीनियर आईएस अधिकारी मंदीप के भंडारी को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड



का चेयरपर्सन नियुक्त किया। भंडारी 2001 बैच के एजीएमयूटी कैडर के आईएस अधिकारी हैं। वह फिलहाल जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के प्रधान सचिव के तौर पर

काम कर रहे हैं। पिछले चार महीने में तीन सीबीएसई चेयरमैन बदल चुके हैं। मई तक राहुल सिंह सीबीएसई के चेयरमैन थे। 2 जून को ऑन स्क्रीन मार्किंग विवाद के बीच सरकार ने उन्हें हटा दिया था। फिर आईएस अधिकारी लोखंडे प्रशांत सीताराम को सीबीएसई चेयरपर्सन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

■ लेफ्टिनेंट जनरल अखिलेश कुमार ने भारतीय सेना की 1 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाल लिया। यह कोर 'स्ट्राइक वन कोर' के नाम से भी जानी जाती है और इसका मुख्यालय उत्तर प्रदेश के मथुरा में स्थित है। उन्होंने इस पद पर लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन का स्थान लिया है। भारतीय सेना की 1 कोर प्रमुख आक्रामक संरचनाओं में शामिल है। इसे स्ट्राइक कोर कहा जाता है, यानी ऐसी सैन्य संरचना जिसे तेज, प्रभावी और उच्च तत्परता वाली आक्रामक कार्रवाइयों के लिए तैयार रखा जाता है। मथुरा जैसे रणनीतिक सैन्य केंद्र में इसका मुख्यालय होना इसकी परिचालन अहमियत को और बढ़ाता है।

■ भारतीय रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक के नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में अनुप बागची को मंजूरी दे दी है। उनका तीन साल का कार्यकाल 27 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा, जब मौजूदा प्रमुख शशिधर जगदीशन का कार्यकाल 26

अक्टूबर, 2026 को पूरा होगा। यह बदलाव देश के सबसे बड़े निजी बैंकों में से एक में नेतृत्व परिवर्तन का संकेत देता है।

निधन

■ प्रसिद्ध कन्नड़ पर्कशनिस्ट ड्रम वादक ड्रम देवा का निधन हो गया। वे 64 साल के थे और कन्नड़ संगीत जगत में उन्हें 'कन्नड़ के शिवमणि' के नाम से जाना जाता था। देवा ने अपने कैरियर की शुरुआत ड्रम साफ करने जैसे छोटे कामों से की थी। बाद में वे एक प्रसिद्ध ड्रम बने और 800 से ज्यादा फिल्म साउंडट्रैक में ड्रम बजाए। देवा ने इलैयाराजा, हंसलेखा और साधु कोकिला जैसे संगीतकारों के साथ काम किया। देवा रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरु के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में लाइव ड्रम बीट से दर्शकों का मनोरंजन करते थे। देवा को 2026 में संगीत कला में अपनी निरंतर विरासत के लिए कला रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

■ महाराष्ट्र की प्रसिद्ध लावणी नृत्यांगना शकुंतला नगरकर का निधन हो गया। शकुंतला 66 वर्ष की



थीं। उन्हें 'लावणी क्वीन' के नाम से भी जाना जाता है। शकुंतला ने 12 साल की उम्र से महाराष्ट्र की पारंपरिक लावणी और संगीत बारी कला नृत्य शुरू किया था। शकुंतला को 2008 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

खेल

■ एशियाई खेलों के इतिहास में भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट और हॉकी मुकाबलों ने दर्शकों के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया। आइची-नागोया एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट का भारत-पाकिस्तान फाइनल और पुरुष हॉकी का सेमीफाइनल सबसे अधिक देखे जाने वाले

मुकाबले रहे। पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरुष क्रिकेट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण अपने नाम किया।

■ भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय



फुटबॉल मैत्री मैच खेला गया। मेहमान टीम ने भारत को 0-4 से शिकस्त दी। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत में ब्राजील का डटकर सामना किया। रक्षात्मक रणनीति बनाए रखने के अलावा मौका मिलने पर आक्रामक रुख भी अपनाया।

विज्ञान

■ भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में लंबी छलांग लगाते हुए 38वें पायदान पर पहुंच चुका है। 10 साल पहले साल 2015 में यह रैंक 81 था। यह रैंकिंग संयुक्त राष्ट्र की संस्था वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन ने ली है। भले ही ग्लोबल इनोवेशन में भारत आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के अंदर यह तरक्की कहां दिखती है, यहां एक बड़ा सवाल सामने आ जाता है। हम इनोवेशन के मामले में दस साल में काफी आगे आए हैं, लेकिन देश के अंदर सब जगह हाल एक जैसा नहीं है।

■ रैपिडाइज ने हरियाणा के मानेसर में अपने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कार्यों के विस्तार की घोषणा की है। कंपनी करीब 200 करोड़ रुपये के निवेश से अगले तीन वर्षों में उत्पादन क्षमता को मजबूत करेगी। इस विस्तार के बाद मानेसर इकाई की कुल उत्पादन क्षमता मौजूदा स्तर से चार गुना तक बढ़ने की उम्मीद है।

WEEKLY DIARY

04 OCT



केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैनुफैक्चरर्स की ओर से आयोजित व्यापारिक गोलमेज सम्मेलन में अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बातचीत की।

05 OCT



अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुपर इंटेलिजेंस के नाम से जाना जाएगा। यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम में की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नाम बदलने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

06 OCT



भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सभी फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर अपने फैसले की जानकारी दी। हरमनप्रीत ने कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि इस सफर में वर्षों की यादें और भावनाएं जुड़ी हैं।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0838

1	2			3		4		5
6			7		8			
9		10			11			
							12	
13					14			
				15				
		16						

खबरों में

नई शुरुआत

देशभर में अपने रिटेल नेटवर्क को बढ़ाने की दिशा में एसूस इंडिया ने फरीदाबाद में नया एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च किया है। जिग्नेश भावसार, नेशनल सेल्स मैनेजर, कंज्यूमर पीसी एंड गोमिंग बिजनेस, एसूस इंडिया, ने कहा, 'यह एक्सक्लूसिव स्टोर देश के अलग-अलग हिस्सों में ग्राहकों को एसूस की नई टेक्नोलॉजी का बेहतर अनुभव देने की दिशा में एक और कदम है।'

नया लॉन्च

त्योहारों से पहले एआई+ स्मार्टफोन ने अपने पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा करते हुए, पल्स 2 एफई, नोवाटैब और लैपटैब को लॉन्च किया है। एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के सीईओ माधव शेठ ने कहा, 'पल्स 2 एफई, नोवाटैब और नोवा लैपटैब के जरिये हमारा उद्देश्य इन अलग-अलग जरूरतों के लिए ऐसे प्रोडक्ट तैयार करना है, जो सभी के लिए आसानी से उपलब्ध हों।'

नए अध्याय की शुरुआत

एशियन पेंट्स वुड एडहेसिव ने एशियन पेंट्स हाइड्रोना और एशियन पेंट्स अल्ट्रा दो नए उत्पाद लॉन्च किए हैं। एशियन पेंट्स के एमडी एवं सीईओ अमित सिंगल के अनुसार, ये दोनों उत्पाद वुडवर्किंग से जुड़े पेशेवरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए टिकाऊपन, आसान उपयोग और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करने के लिए विकसित किए गए हैं।

वर्ल्ड स्माइल डे

क्लेफ्ट यानी जन्म से होंठ या तालू में दरार की समस्या पर काम करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संगठन, स्माइल ट्रेन ने देशभर में अपने सहयोगी अस्पतालों और समुदायों के साथ वर्ल्ड स्माइल डे मनाया। स्माइल ट्रेन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एशिया की क्षेत्रीय निदेशक ममता कैरोल ने कहा, 'वर्ल्ड स्माइल डे हमें लोगों को एक साथ लाने का एक अच्छा अवसर देता है।'

नई शाखा

आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपनी नई शाखा खोली है। यह कदम बढ़ते कारोबारी एवं ग्राहकों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के कंपनी के प्रयासों की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शाखा के उद्घाटन के मौके पर आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ जुगल मंत्री ने कहा, 'हमारे ब्रांच नेटवर्क का विस्तार हमारी व्यापक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।'

बाएं से दाएं : 7/35

1. बंगलूरु से 158 किमी दूर स्थित हासन जिला में स्थित कर्नाटक का प्रसिद्ध जैन तीर्थ; विंध्यगिरि और चंद्रगिरि के मध्य स्थित एक स्थान (7)
8. मथुरा के समीप स्थित एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल जिसे 'ब्रज का हृदय' भी कहते हैं; श्रीकृष्ण की अलौकिक बाल लीलाओं का केंद्र रही एक धार्मिक नगरी (4)
10. दिखावे का आचरण; आधिकारिक; नियमबद्ध; पारंपरिक; उपचार के रूप में होने वाला; उपचार संबंधी (5)
13. राष्ट्रीय वृक्ष; वृक्ष जिसकी पत्ती, शाखाओं व कलिकाओं को तोड़ने से दूध जैसा रस निकलता है; बोधिवृक्ष; भृंगी; यक्षावास (4)
14. लय व ताल; संगीत की तर्ज; सुर ताल; स्वर और ताल (4)
16. मुहम्मद गौरी और कुतुबुद्दीन ऐबक के अधीन एक सिपहसालार जिसने पूर्वी भारत में बिहार, बंगाल पर आक्रमण किया; नालंदा विश्वविद्यालय में आग लगा कर नष्ट करने के लिए कुख्यात एक आक्रमणकारी (4,3)

ऊपर से नीचे : 10/38

2. सुप्रसिद्ध लेखक जगन्नाथ प्रसाद चौबे का साहित्यिक नाम; श्रीकृष्ण; वनमाला धारण करने वाला (4)
3. भारत रत्न से सम्मानित 'भारत कोकिला'; बेल; लतिका; वल्ली (2)
4. जिससे लाभ हो; फायदेमंद; लाभ देने वाला; गुणकारी (5)
5. भारत के 10वें मुख्य न्यायाधीश (1,2,2)
7. जलजंतु के रूप में विष्णु का एक अवतार; दोहे का एक भेद जिसमें 8 गुरू और 32 लघु

- होते हैं ; कुशती का एक पेच; तुन का पेड़(3)
9. सिने नायिका व समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सदस्य; चुपके-चुपके, परिचय, बावर्ची, शोर, शोले आदि फिल्मों की प्रमुख अभिनेत्री (2,3)
10. छठा मुगल बादशाह; जजिया कर लगाने पर कुख्यात हुआ एक मुगल बादशाह (5)
11. ओमान की मुद्रा; सऊदी अरब की मुद्रा (3)
12. कुम्हड़ा; शरीफा (4)
15. फल्गु नदी के तट पर बसा बिहार का एक प्रमुख शहर महत्वपूर्ण तीर्थस्थल; 'जाना' का भूतकाल (2)

- हरीश चन्द्र सन्सी
विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

અમર જ્ઞાન વર્ગ પહેલી 0837

	¹ ता	² रा	मं	³ ड	ल		⁴ वि	
⁵ वि		ज		र		⁶ ज	हा	⁷ ज
⁸ शा	म	त	आ	जा	ना		⁹ र	न
ल		रं		ना		¹⁰ च		र
¹¹ का	र	गि	ल		¹² भी	म	ता	ल
य		णी		¹³ गु		च		मो
¹⁴ जी	¹⁵ त		¹⁶ त	म	त	मा	ह	ट
¹⁷ व	रु	ण		ना		ह		र्स
	ण		¹⁸ भी	म	वे	ट	का	

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...



SHREEPRAKASH SHARMA

PRINCIPAL
PM SHRI SCHOOL
JAWAHAR NAVODAYA
VIDYALAYA,
Garhbanaili,
District-Purnia

C choose the closest meaning of the words given in the capital letters -

- 1. PERJURE**
(A) to tell a lie in a court
(B) to abandon (C) to release something
- 2. EXCULPATE**
(A) to protect (B) to compress
(C) to exonerate
- 3. IMPOVERISH**
(A) to visit some places
(B) to make poor (C) to predict
- 4. POLYDIPSIA**
(A) an excessive thirst
(B) emancipation (C) perspicacity
- 5. ELAN**

- 15. INDURATE**
(A) to harden (B) to escape
(C) to practice hard
 - 16. GYRATE**
(A) to intimate (B) to accuse someone of something
(C) to revolve
 - 17. GUARD**
(A) to shield (B) to cheat
(C) to settle something
 - 18. DISBURSE**
(A) to pay out (B) to commence
(C) to identify
 - 19. OSTRACIZE**
(A) to deprive (B) to banish
(C) to divulge
 - 20. EXHORT**
(A) to urge (B) to utilize
(C) to restrict
- Answers:** 1.A 2.C 3.B 4.A 5.B
6.A 7.B 8.A 9.C 10.B 11.A 12.C
13.B 14.C 15.A 16.C 17.A 18.A
19.B 20.A

WORDS WIELD POWER

English is used as a lingua franca among the people of many countries across the world. Its importance as a foreign language, especially in the current milieu of the globalized world, cannot be easily gainsaid. The mastery of English refines the personality and facilitates the success. Let us perfect the knowledge of English to accomplish the dreams of our life.

- (A) abundance (B) enthusiasm
(C) erudite
- 6. ENERVATE**
(A) to enfeeble (B) to rest
(C) to assuage
- 7. EFFACE**
(A) to struggle (B) to erase
(C) to write
- 8. WINNOW**
(A) to separate or sift
(B) to enquire (C) to suffer
- 9. DISCOMFIT**
(A) to modify (B) to reside
(C) to embarrass
- 10. DISEMBOGUE**
(A) to learn (B) to empty
(C) to relax
- 11. ABROGATE**
(A) to nullify or cancel
(B) to mend (C) to isolate
- 12. IMPAIR**
(A) to prevent (B) to supply something
(C) to hurt
- 13. HEIGHTEN**
(A) to reflect (B) to enhance
(C) to resume
- 14. HECKLE**
(A) to hasten (B) to remove something
(C) to harass or annoy persistently

Let us know these idioms
Your heart bleeds for someone— to have a lot of sympathy for someone because they are suffering. (Despite hard labour and consistent efforts, she failed to get promotion as the board director. My heart bled for her when I read about it in the newspaper.)
To harden one's heart – to stop having sympathetic or caring feelings for someone. (She hardened her heart against her husband after their divorce last year.)
Your heart is in your mouth – to feel extremely nervous because you think that something unpleasant is likely to take place. (My heart was in my mouth when I heard the eerie noise outside my house last night.)
To bring someone to heel/ to call someone to heel – to force someone to obey you or make them act as per the established norms. (It is still not known how the government will plan to bring the agitating students to heel.)

WORD OF THE WEEK
MULCT – verb, to defraud, to swindle, to obtain something by fraud, noun- penalty, fine. (They mulcted fifty lakh rupees from the local businessman. The bank imposed a mulct of an additional 25 % on the credit card defaulters. He was found accused of the crime of mulcting the insurance company for the false accident.)

SCHOLARSHIP ALERT

कॉन्सेंट्रिक्स स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2026-27

कॉन्सेंट्रिक्स दक्ष सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कॉन्सेंट्रिक्स स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2026-27 की पहल की गई है। इसका उद्देश्य छात्राओं को मेडिकल कॉलेज में बने रहने, सीखते रहने और एमबीबीएस की पढ़ाई में सफल होने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान कर, वित्तीय बाधाओं को दूर करना है। इस स्कॉलरशिप में आवेदन के लिए जरूरी है कि आवेदक वर्तमान में किसी सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में नामांकित हों। इसके अलावा आवेदकों की पारिवारिक वार्षिक आय पांच लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आपको बता दें कि एकल-अभिभावक या अनाथ बच्चे, आकांक्षी जिलों के बच्चे व दिव्यांग छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। चयनित छात्रों को पाठ्यक्रम की अवधि के लिए प्रतिवर्ष 65,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। आवेदकों के पास बारहवीं की मार्कशीट, पहचान पत्र, आयकर रिटर्न व अन्य निर्धारित दस्तावेज होने चाहिए।

आवेदन की अंतिम तिथि : 30 अक्टूबर, 2026

आवेदन लिंक : tinyurl.com/mvfy48k5

रमन कांत मुंजाल छात्रवृत्ति

रमन कांत मुंजाल फाउंडेशन की ओर से रमन कांत मुंजाल छात्रवृत्ति की पेशकश की जा रही है। इस छात्रवृत्ति का लाभ लेने के लिए जरूरी है कि आवेदक वर्तमान में बीबीए, बीएफआईए, बीकॉम, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस), इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम), बीए (अर्थशास्त्र), बैचलर इन बिजनेस स्टडीज (बीबीएस), या वित्त से संबंधित किसी अन्य डिग्री पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में नामांकित हों। साथ ही आवेदकों ने कक्षा दसवीं और बारहवीं में कम से कम 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों, हालांकि दिव्यांग छात्रों के लिए आवश्यक न्यूनतम अंक 70 प्रतिशत निर्धारित हैं। इसके अलावा आवेदक की पारिवारिक वार्षिक आय छह लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयनित प्रत्येक छात्र को अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए तीन साल तक प्रतिवर्ष 40,000 रुपये से लेकर 5,50,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। आवेदकों के पास कक्षा दसवीं व बारहवीं की मार्कशीट, पहचान पत्र व अन्य निर्धारित दस्तावेज होने चाहिए।

आवेदन की अंतिम तिथि : 15 अक्टूबर, 2026

आवेदन लिंक : tinyurl.com/3bym7kd8

कोटक कन्या छात्रवृत्ति

कोटक महिंद्रा समूह की कंपनियों और कोटक एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से कोटक कन्या छात्रवृत्ति की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य कम आय वाले परिवारों की मेधावी छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि वे कक्षा बारहवीं के बाद व्यावसायिक शिक्षा में उच्च अध्ययन करने के लिए सशक्त बन सकें। आवेदन के लिए जरूरी है कि छात्राओं ने कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में कम से कम 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक या समकक्ष सीजीपीए प्राप्त किया हो। साथ ही 2026-27 में स्नातक कार्यक्रमों के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में नामांकन लिया हो। इसके अलावा छात्राओं की वार्षिक पारिवारिक आय 6,00,000 रुपये से कम होनी चाहिए। प्रत्येक चयनित छात्रा को उसके व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम/डिग्री पूरी होने तक प्रतिवर्ष 1.5 लाख रुपये की छात्रवृत्ति राशि दी जाएगी। छात्राओं के पास बारहवीं की मार्कशीट, आय प्रमाण-पत्र, कॉलेज प्रवेश परीक्षा स्कोरकार्ड व अन्य निर्धारित दस्तावेज होने चाहिए।

आवेदन की अंतिम तिथि : 15 अक्टूबर, 2026

आवेदन लिंक : tinyurl.com/4a7sc8m5

हेल्थ केयर

स्वास्थ्य पर रखें नजर

31

लग-अलग शहरों में रहने वाले परिवार अक्सर एक-दूसरे से व्हाट्सएप ग्रुप और वीडियो कॉल के जरिये जुड़े रहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस दौरान हम अपने माता-पिता के स्वास्थ्य में आ रहे छोटे-छोटे बदलावों को नजरअंदाज कर रहे हैं? प्रसिद्ध इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण चंद्रा के अनुसार, बुजुर्ग माता-पिता में लगातार थकान, सांस फूलना, सीढ़ियां चढ़ने से कतराना या बार-बार यह कहना कि 'अब पहले जितना चल नहीं पाता' अथवा 'उम्र के साथ धीमा हो गया हूं'-इन संकेतों को अक्सर सामान्य बुढ़ापे का हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन जब ये बातें बार-बार सामने आएँ, तो ये हार्ट वाल्व डिजीज जैसे गंभीर हृदय रोग के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। हार्ट वाल्व डिजीज में हृदय के एक या अधिक



वाल्व ठीक से खुल या बंद नहीं हो पाते। यह बीमारी धीरे-धीरे विकसित होती है और मरीज अनजाने में अपनी दिनचर्या में बदलाव करने लगता है। जैसे धीरे चलना, लिफ्ट का इस्तेमाल करना या सामाजिक कार्यक्रमों से बचना। बच्चों को यह ध्यान देना चाहिए कि उनके माता-पिता ने कौन-सी गतिविधियां कम या बंद कर दी हैं। क्या उन्होंने सुबह की सैर बंद कर दी है? क्या वे घूमने-फिरने से बच रहे हैं? क्या उनके पैरों में सूजन, चक्कर आने या दिल की धड़कन तेज होने जैसी समस्याएं महसूस हो रही हैं? डॉ. चंद्रा के अनुसार, 55 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के नियमित हेल्थ चेकअप में इकोकार्डियोग्राम को शामिल करने के बारे में डॉक्टर से जरूर पूछना चाहिए। यह टेस्ट हृदय की संरचना और वाल्व की कार्यप्रणाली का आकलन करने में मदद कर सकता है।

खबरों में

‘भंगार’ ने जीता नेशनल फिल्म अवॉर्ड

सुमिरा रॉय की डॉक्यूमेंट्री ‘भंगार’ ने 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट नॉन-फीचर फिल्म का अवॉर्ड जीता है। यह फिल्म मुंबई के एक बुजुर्ग दंपती की कहानी पर आधारित है, जिन्होंने एक साथ मृत्यु के अधिकार की मांग की थी। मराठी-अंग्रेजी में बनी यह डॉक्यूमेंट्री इरावती और नारायण कृष्णाजी लावटे के जीवन पर आधारित है। डायरेक्टर सुमिरा रॉय ने कहा, ‘भंगार की शुरुआत एक पर्सनल सवाल से हुई।’